www.CentumSure.com

**Series OSR/2**

कोड नं. **2/2/2**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

# हिन्दी (केन्द्रिक)

# HINDI (Core)

*निर्धारित समय : 3 घण्टे* | *अधिकतम अंक : 100*

*Time allowed : 3 hours* | *Maximum Marks : 100*

## खण्ड क

**1.** निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

विषमता शोषण की जननी है । समाज में जितनी विषमता होगी, सामान्यतया शोषण उतना ही अधिक होगा । चूँकि हमारे देश में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक व सांस्कृतिक असमानताएँ अधिक हैं जिसकी वज़ह से एक व्यक्ति एक स्थान पर शोषक तथा वही दूसरे स्थान पर शोषित होता है । चूँकि जब बात उपभोक्ता संरक्षण की हो तब पहला प्रश्न यह उठता है कि उपभोक्ता किसे कहते हैं ? या उपभोक्ता की परिभाषा क्या है ? सामान्यतः उस व्यक्ति या


www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

व्यक्ति समूह को उपभोक्ता कहा जाता है जो सीधे तौर पर किन्हीं भी वस्तुओं अथवा सेवाओं का उपयोग करते हैं । इस प्रकार सभी व्यक्ति किसी-न-किसी रूप में शोषण का शिकार अवश्य होते हैं ।

हमारे देश में ऐसे अशिक्षित, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से दुर्बल अशक्त लोगों की भीड़ है जो शहर की मलिन बस्तियों में, फुटपाथ पर, सड़क तथा रेलवे लाइन के किनारे, गंदे नालों के किनारे झोपड़ी डालकर अथवा किसी भी अन्य तरह से अपना जीवन-यापन कर रहे हैं । वे दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक देश की समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित हैं, जिन्हें आधुनिक सफ़ेदपोशों, व्यापारियों, नौकरशाहों एवं तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग ने मिलकर बाँट लिया है । सही मायने में शोषण इन्हीं की देन है ।

उपभोक्ता शोषण का तात्पर्य केवल उत्पादकता व व्यापारियों द्वारा किए गए शोषण से ही लिया जाता है जबकि इसके क्षेत्र में वस्तुएँ एवं सेवाएँ दोनों ही सम्मिलित हैं, जिनके अन्तर्गत डॉक्टर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, वकील सभी आते हैं । इन सबने शोषण के क्षेत्र में जो कीर्तिमान बनाए हैं वे वास्तव में गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज़ कराने लायक हैं ।

(क) गद्यांश का समुचित शीर्षक लिखिए । *1*

(ख) 'विषमता' शब्द से मूल शब्द तथा प्रत्यय छाँटकर लिखिए । *1*

(ग) 'ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित है' – वाक्य का आशय समझाइए । *2*

(घ) 'विषमता शोषण की जननी है' – कैसे ? स्पष्ट कीजिए । *2*

(ङ) समाज में जितनी विषमता होगी, सामान्यतः शोषण उतना ही अधिक होगा । वाक्य-भेद लिखिए । *1*

(च) उपभोक्ता शोषण से क्या आशय है ? इसकी सीमाएँ कहाँ तक हैं ? *2*

(छ) देश की समाजोपयोगी योजनाओं से कौन-सा वर्ग वंचित रह जाता है और क्यों ? *2*

(ज) उपभोक्ता किसे कहते हैं ? उपभोक्ता शोषण का मुख्य कारण क्या है ? *2*

(झ) सामान्यतः शोषण का दोषी किसे कहा जाता है और क्यों ? *2*



www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

**2.** नीचे लिखे अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×5=5*

आँसू से भाग्य पसीजा है, हे मित्र, कहाँ इस जग में ?
नित यहाँ शक्ति के आगे, दीपक जलते मग-मग में ।
कुछ तनिक ध्यान से सोचो, धरती किसकी हो पाई ?
बोलो युग-युग तक किसने, किसकी विरुदावलि गाई ?
मधुमास मधुर रुचिकर है, पर पतझर भी आता है ।
जग रंगमंच का अभिनय, जो आता सो जाता है ।
सचमुच वह ही जीवित है, जिसमें कुछ बल-विक्रम है ।
पल-पल घुड़दौड़ यहाँ है, बल-पौरुष का संगम है
दुर्बल को सहज मिटाकर, चुपचाप समय खा जाता,
वीरों के ही गीतों को, इतिहास सदा दोहराता ।
फिर क्या विषाद, भय चिंता जो होगा सब सह लेंगे,
परिवर्तन की लहरों में जैसे होगा बह लेंगे ।

(क) कविता का मूल सन्देश क्या है ?

(ख) 'रोने से दुर्भाग्य सौभाग्य में नहीं बदल जाता' के भाव की पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए ।

(ग) समय किसे नष्ट कर देता है और कैसे ?

(घ) इतिहास किसे याद रखता है और क्यों ?

(ङ) 'मधुमास मधुर रुचिकर है, पर पतझर भी आता है' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।


www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

## खण्ड ख

**3.** नीचे लिखे विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर निबंध लिखिए : *5*

(क) अंतरिक्ष में भारत के कदम

(ख) भारतीय संस्कृति

(ग) शिक्षा और समाज

(घ) अनेकता में एकता

**4.** देश में क्षेत्रीयतावाद के कारण उत्पन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए । *5*

**अथवा**

अस्पताल में किसी रोगी के इलाज में बरती गई लापरवाही का विवरण देते हुए वरिष्ठ चिकित्साधिकारी को पत्र लिखिए ।

**5.** (क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : *1×5=5*

(i) 'फोन इन' क्या है ?

(ii) पत्रकारिता में 'बीट' शब्द का क्या अर्थ है ?

(iii) सम्पादकीय में लेखक का नाम क्यों नहीं होता ?

(iv) स्वतन्त्र पत्रकार किसे कहा जाता है ?

(v) स्तम्भ लेखन से आप क्या समझते हैं ?

(ख) 'केदारनाथ आपदा : प्रकृति का कोप' **अथवा** 'बढ़ती हुई सुविधाएँ और घटता हुआ स्वास्थ्य' विषय पर आलेख लिखिए । *5*

**6.** 'मेट्रो रेल का सफ़र' **अथवा** 'विवाहों में प्रदर्शन और अपव्यय' विषय पर फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*


www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

## खण्ड ग

**7.** प्रस्तुत पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×4=8*

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बैचेन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक –
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं
महज एक धागे के सहारे ।

(क) 'वे अपने साथ लाते हैं कपास' – 'वे' कौन हैं ? साथ में कपास लाने से क्या तात्पर्य है ?

(ख) पतंग लूटते बच्चों की तुलना डाल से क्यों की गई है ?

(ग) दिशाओं को मृदंगों की तरह बजाने से कवि का क्या आशय है ?

(घ) छतों के किनारों से गिरने से उन्हें कौन बचाता है और कैसे ?

**अथवा**

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी ।

(क) कवि ने चाँद का टुकड़ा किसे कहा है और क्यों ?

(ख) माँ के लिए कविता में किस शब्द का प्रयोग हुआ है और क्यों ?

(ग) बच्चे की हँसी का कारण क्या है ? उसके गूँजने से क्या तात्पर्य है ?

(घ) काव्यांश के भाव को अपने शब्दों में चित्रित कीजिए ।


www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

**8.** नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

प्रभु प्रलाप सुनि कान, बिकल भये वानर निकर
आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना मँह वीर रस

(क) जिमि करुना मँह वीर रस – कथन का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश में प्रयुक्त छन्द का नाम और लक्षण लिखिए ।

(ग) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

नभ में पाँती-बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें ।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सचेत श्वेत काया ।
हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से ।

(क) काव्यांश का भाव-सौन्दर्य लिखिए ।

(ख) भाषा-वैशिष्ट्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) काव्यांश के मानवीकरण का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

**9.** नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : *3×2=6*

(क) 'मुझसे मिलने को कौन विकल' पंक्ति से कवि की किस मानसिक स्थिति का पता चलता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'परदे पर वक्त की कीमत होती है,' कथन से साक्षात्कार के प्रति कवि की किस मानसिकता का भान होता है ?

(ग) कवि अपनी प्रेयसी को क्यों भूलना चाहता है ? 'सहर्ष स्वीकारा है' के आधार पर संक्षेप में लिखिए ।


www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

**10.** नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

कुछ देर चुप रही जीजी, फिर मठरी मेरे मुँह में डालती हुई बोलीं – "देख बिना त्याग के दान नहीं होता । अगर तेरे पास लाखों करोड़ों रुपये हैं और उसमें से तू दो-चार रुपये किसी को दे दे तो यह क्या त्याग हुआ । त्याग तो वह होता है कि जो चीज़ तेरे पास भी कम है, जिसकी तुझको भी ज़रूरत है तो अपनी ज़रूरत को पीछे रख कर दूसरे के कल्याण के लिए उसे दे तो त्याग तो वह होता है, दान तो वह होता है, उसी का फल मिलता है ।"

"फल-वल कुछ नहीं मिलता सब ढकोसला है" मैंने कहा तो, पर कहीं मेरे तर्कों का किला पस्त होने लगा था । मगर मैं भी ज़िद्द पर अड़ा था ।

(क) जीजी और लेखक के बीच क्या समस्या थी ?

(ख) त्याग के करने में जीजी के विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) लेखक ने ऐसा क्यों कहा कि उसके तर्कों का किला पस्त होने लगा था ?

(घ) जीजी के अनुसार दान के लिए महत्त्वपूर्ण क्या है ? क्यों ?

**अथवा**

जाति प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है । कुशल व्यक्ति या सक्षम-श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके । इस सिद्धान्त के विपरीत जाति प्रथा का दूषित सिद्धान्त यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार, पहले से ही अर्थात् गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है ।

(क) 'गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है' – आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) जाति प्रथा स्वाभाविक श्रम विभाजन नहीं है, क्यों ?

(ग) सक्षम एवं कुशल श्रमिक के लिए क्या-क्या आवश्यक है ?

(घ) जाति प्रथा के सिद्धान्त को दूषित क्यों कहा गया है ?



www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

**11.** नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×4=12*

(क) शिरीष की तुलना किससे और क्यों की गई है ?

(ख) खाली मन तथा भरी जेब से लेखक का क्या आशय है ? ये बातें बाज़ार को कैसे प्रभावित करती हैं ?

(ग) भक्तिन के स्वभाव की ऐसी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनके कारण उसने लेखिका को अपने अनुसार ढाल लिया ।

(घ) चार्ली चैप्लिन का भारतीयकरण किन-किन रूपों में पाया जाता है ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ङ) जाति प्रथा को श्रम विभाजन का आधार क्यों नहीं माना जा सकता ? पाठ से उदाहरण देकर समझाइए ।

**12.** नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर लिखिए : *2×2=4*

(क) 'जूझ' के लेखक में स्वयं कविता रच सकने का आत्मविश्वास कैसे पैदा हुआ ?

(ख) महाकुण्ड में अशुद्ध जल को रोकने की क्या व्यवस्था थी ? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ग) कार्यालय में अपने सहकर्मियों के साथ सेक्शन ऑफ़ीसर वाई.डी. पंत के व्यवहार पर टिप्पणी कीजिए ।

**13.** नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : *3×2=6*

(क) वाई.डी. पन्त की पत्नी पति की अपेक्षा सन्तान की ओर क्यों पक्षपाती दिखलाई पड़ती है ?

(ख) दत्ताराव ने लेखक की पढ़ाई की समस्या का समाधान किस प्रकार किया ?

(ग) ऐन फ्रेंक की डायरी के आधार पर नाज़ियों के अत्याचारों पर टिप्पणी कीजिए ।

**14.** सौंदलगेकर के व्यक्तित्व के आधार पर किसी अध्यापक के लिए आवश्यक जीवन-मूल्यों पर प्रकाश डालिए । *5*

**अथवा**

'सिलवर वेडिंग' कहानी के पात्र किशन दा के उन जीवन-मूल्यों की चर्चा कीजिए जो यशोधर बाबू की सोच में आजीवन बने रहे ।



www.CentumSure.com